

पृ॥
२०

पञ्चावनी प्रहस्य की गद्य वकील वही
अनुग न्यायालय के प्रकार आने पर ना
ले गयी ना ही वकील वही न्यायालय
के लक्षण उपलब्ध हुए इतलिय हतगत
वकाल को रकडिय किय आल हो पञ्चावनी
नियमनुकाल पाखिल वद्वर हो मन्त्र ले
कर हो

